



जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(जन-सम्पर्क अनुभाग)
(प्रेस विज्ञप्ति)

विद्युत तंत्र के रखरखाव में लापरवाही से दुर्घटना पर फीडर ईंचार्ज से लेकर
अधिशायी अभियन्ता होंगे उत्तरदायी
कार्यपालन में शिथिलता के लिए जिम्मेदार के खिलाफ होगी अनुशासनात्मक कार्यवाही

जयपुर, 12 जुलाई। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक श्री ए.के. गुप्ता ने विद्युत दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए फीडर ईंचार्ज, कनिष्ठ अभियन्ता, सहायक अभियन्ता एवं अधिशायी अभियन्ताओं को अपने कर्तव्य के प्रति सजग रहकर कार्य करने के निर्देश दिये हैं, जिससे कि भविष्य में विद्युत तंत्र के रखरखाव के अभाव या उदासीनता के कारण विद्युत दुर्घटना घटित नहीं हो। विद्युत तंत्र के रखरखाव के अभाव में या उदासीनता के कारण यदि कोई दुर्घटना होती है तो चारों स्तर के कर्मचारी व अधिकारी उत्तरदायी होंगे और जिसके कार्यपालन में शिथिलता पाई जायेगी उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

श्री गुप्ता ने बताया की आंधी और बरसात के मौसम में पोल, ट्रांसफॉर्मर व केबल तार क्षतिग्रस्त होते रहते हैं और उनको विद्युत कर्मियों द्वारा तत्परता से ठीक भी किया जाता है इसके बावजूद भी यदाकदा विद्युत दुर्घटना व कहीं कहीं प्राण घातक दुर्घटना की सूचना मिलती है। जो अत्यन्त दुःखद एवं चिन्तनीय है। प्राकृतिक आपदाओं से विद्युत तंत्र को हाने वाली क्षति के अलावा यदाकदा विद्युत तंत्र के रखरखाव की कमी के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को विद्युत तंत्र का समय रहते रखरखाव करके रोका जाता है। परन्तु इसमें लापरवाही बरतने पर दुर्घटना होने की सम्भावना रहती है।

उन्होंने बताया कि पोल टेढा होकर विद्युत लाईन के नीचे हो जाने, तार टूट कर नीचे गिर जाना या लटकना एवं फीडर का ट्रिप नहीं होना, सब-स्टेशन ट्रांसफार्मर का अर्थिंग फ़ैल होना या न्यूट्रल अलग हो जाना व केबल का जल जाना आदि की वजह से दुर्घटना की सम्भावना बन जाती है। फीडर ईंचार्ज, कनिष्ठ अभियन्ता व सहायक अभियन्ता ऐसी स्थिति में सजग रह कर समय पर कार्यवाही करते रहे तो विद्युत दुर्घटना की सम्भावना नगण्य हो जाती है और इसके विपरीत बरती गई लापरवाही दुर्घटना को जन्म देती है, जिससे जनहानि का खतरा बन जाता है।

श्री गुप्ता ने अधिशायी अभियन्ताओं को निर्देश दिए कि विद्युत तंत्र के निरीक्षण के दौरान रखरखाव में पाई गई कमियों को दूर करने के लिए समय-समय पर अपने अधीनस्थों को निर्देशित करते रहें, जिससे दुर्घटना की सम्भावना नगण्य हो सके।

